International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 04, April 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Hkkjr dh jk'ट्रीय शिक्षा नीतियों का इतिहास%

DR. FOZIA BANO
ASSOCIATE PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
SHIA P.G. COLLEGE, LUCKNOW

Lkkरांश%

स्वतन्त्रता प्राप्ति के उपरान्त भारत में 1948 में विष्वविधालय आयkx dh LFkkiuk dh xbZ A rFkk ek/;fed षिक्षा के लिए 1952 e ek/;feक षिक्षा आयोग की LFkkiuk dh गई तथा 1964 में 1966 भारतीय षिक्षा कमीषन आयोग dkBkरी कमीषन की स्थापना की इसके अतिरिक्त 1968 की रा"ट्रीय षिक्षा नीति तथा 1779 dh jk"ट्रीय षिक्षा नीति jk"ट्रीय षिक्षा नीति 1986की स्थापना की जिनके द्वारा भारत में षिक्षा dk jk"Vh; Lo:Ik fn;k x;kA

1858 d ,DV nkjk tc Hkkjrh;k u 'ासन का उत्तरदायित्व ब्रिटिष ताज ने y fy;k FkkA mlI le; dviory ठवंतक व्‍िक्नबंजपवद ने दो कमीषन बिठाने का निर्णय लिया एक विष्वविधालय आयोग तथा दूसरा मk/;kfed षिक्षा vk;kxA oLrq e LorU=r Hkkjr dh षिक्षा की आवष्यकताएँ भिन्न हो गई थी। अब आवष्यक हो गया था कि षिक्षा lEcU/kh l/kkj fd; tk; vlEcyh e 14 o"ॉ तक के बच्चों को बिना स्कूल की फीस लिए षिक्षा देने पर बहस चल रही थी और इस विवाद को संविधान में नीति निद्रेषक तत्वk e ie[krk nh xb rFkk ljdkj u ;g y{; j[kk d 1960 rd y{l j[kk fd प्रारम्भिक षिक्षा सबके लिए समान तथा आनिवार्य कर दी जाये देष की आवष्यकताओं को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक तथा उच्च षिक्षा में भी कुछ परिवर्तन किए गए।

Hkkjr d LorU= gku d mijkUr षिक्षा नीति का एक नया अ/;k; ikjEHk gvkA LorU= Hkkjr d fy, jk"ट्रीय षिक्षा uhfr fu/kkfjr djuk ,d cgr cMh leL;k Fkh D;kfd Hkkjrh; lekt o /ke Hkk"kk d fglkc l cgr vf/kd विभिन्नताओं का देष था। bu leL;kvkdk lkeuk dju d fy, Hkkjr ljdkj u ,d षिक्षा आयोग की स्थापना की जिसकी नीतियों तथा सुझाव द्वारा भारतीय षिक्षा नीति में सुधार किया जा सके।

1950 में भारतीय संविधान की स्थापना हुई अब षिक्षा का उत्तरदायित्व केन्द्र तथा राजा दोनों में बट गया। संविधान dh LFkkiuk dju oky ykxk dk fopkj Fkk कि प्रजातन्त्र तभी सुरक्षित रह सकता है जब भारत कि लोगों में षिक्षा dk foLrkj gk rHkh og viu fy, Igh urkvk dk fuokpu dju ;kX; cu ldr gA lfo/kku fuekrkvk u ,lh षिक्षा नीति बनायी जो सबको षिक्षा का समान अवसर प्रदान करती हो वरन सामाजिक न्याय ij vk/kkfjr gk rFkk tkfr /ke o Hkk"kk d vk/kkj ij fdlh d lkFk i{kikr u gkA

स्वतन्त्र भारत में षिक्षा नीति में सुधार के लिए समय समय पर षिक्षा आयोग की स्थापना की गई इन षिक्षा आयोंगो की सिफारिषों की सरकार ने मानने की कोषिष की यह षिक्षा आयोग तथा उनके परामर्ष निम्न थे।

1 विष्वविघालय आयोग – 1948

Hkkjr ljdkj u नवम्बर 1948 को एक विष्वघिालय षि{kk vk;kx dk fu;Dr fd;kA bl आयोग अध्यक्ष डा० सर्वपल्ली राधाक्".ku Fk mUgh d uke ij bl vk;kx dk jk/kkd".ku vk;kx dgk x;kA vk;ाग का उददेष्य भारतीय विष्वविधालयों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना और देष की वर्तमान एवं भावी आवष्यकताओं के उपयुक्त उच्च षिक्षा के निर्माण एवं विस्तार पर सुझाव देना था आयोग ने अपनी fjikV 25 vxLr 1949 dk Hkkjr ljdkj d lkeu iLrr dhA ftld nkjk yEc le; ,d vxth jkT; का उपनिवेष रहने के उपरान्त स्वतन्त्र देष के विकास तथा उन्नति के लिए षिक्षा सुधार के परामर्ष दिए x,A LorU= nष की आर्थिक उन्नति करने की कोषिष की गई तथा प्रभावषाली प्रजातन्त्र को स्थापित करने की कोषिष की गई तथा सामाजिक व आर्थिक असामkurk dk lekIr dju d i;Ru fy; x;A Hkkjrh; युवाओं के सर्वागीण विकास के लिए षिक्षा आयोग दृारा सिफारिष की गई। ज्ञान को विभिन्न 'kk[kkvk dk leUo; fd;k x;k ftl le lkekftd ifjoru e lgk;d x.kk dk fodkl gkA

षिक्षा आयोग दृारा यह सुझाव दिया गया कि ऐसे विष्वविधालयों की स्थापना की जाये जिनके दृारा युवाओं d 0;fDrRo dk lEi.k fodkl gkA

किसी विषे"ा क्षेत्र में विष्वविधालय स्थापित करने के लिए इस बात पर बल दिया गया fd lHkh lekt d ykx fcuk {k=h;rk tkfr fyx vkj /ke d HkknHkko vk;kx u ;g ijामर्ष दिया कि षिक्षा नीति का iuxBu lfo/kku nारा दिये गये निर्देषों को ध्यu e j[kdj fd;k tk;A

2 मुदालियर कमीषन– माध्यामिक षिक्षा आयोग 1952–53

Hkkjr ljdkj u 23 flrEcj 1952 dk enkl विष्वविधालयके dyifr Mk y{ke.k Lokeh enkfy;j की अध्यक्षता में मध्यामिक f'k{kk vk;kx dk xBu fd;kA bl Henkfy;j कमीषन भी कहा जाता है 29 अगस्त 1953 को आयोग ने अपनी रिपोर्ट भारत सरकार के सामने प्रस्तुत की आयोग ने माध्यामिक षिक्षा के लिए सुझााव दिये कि माध्यामिक षिक्षा दृारा भारतीय छात्रों dk ऐसी षिक्षा दी जाये जो उन्हें देष के योग्य एवं कर्मठ नागरिक बना सके उनकी व्यवसायिक कुषलता में वृद्धि हो व्यक्तित्व oFkk urRo 'kfDRk dk fodkl gkA LorU=- भारत में षिक्षा सुधार के लिए मुदालियj आयोग की सिफारिषें vR;Ur egRoi.k FkhA vk;kx u ij Hkkjr में समान षिक्षा नीति अपनाये जाने की सलाह दी थी जो अब नई षिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण अंग है। इसके अतिरिक्त मुदालियर आयोग ने व्यवासायिक षिक्षा पर जोर देने का परामर्ष भी दिया था। मुदालिय आयोग दृारा दिए गए अधिकतर परामर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण थे।

3 jk"Vªh; षिक्षा आयोग 1964–66 कोठारी कमीषन

सम्पूर्ण षिक्षा को एक इकाई मानकर उसका सूक्ष्म अध्ययन करने के उद्देष्य में भारत सरकार ने सन् 1964 में एक षिक्षा आयोग नियुक्त किया इस आयोग के अध्यक्ष 'विष्वविघालय vunku vk;kx d v/;{k Mk Mh ,l dkBkjh Fk v/;{k d uke ij bl dkBkjh vk;kx Hkh dgr g bl आयोग ने अपनी रिपोर्ट 29 जून 1966 को सरकार के सामने प्रस्तुत की थी। देष म ifjoru dh /kkjk d lkFk fo?kमान षिक्षा प्रणाली का सांमजस्य नही हो पा रहा था। अतः आयोग की स्थापना का एक व्यापक उद्देष्य षिक्षा प्रणाली में ऐसे सुधारों और परिवर्तनों के लिए प्रणाली देष की बदली हुई आवष्यकताओं के vu:Ik fl) gk ldA

कोठारी आयोग की सिफारिषों का प्रारम्भ इस वाक्य से होता है कि देष का भवि"; mldh d{kkvk e fufer gk jgk gA bl okD; d lkFk viuh fjikV ikjEHk djr g, vk;kx u jk"ट्रीय विकास को षिक्षा dk ,d egRoi.k y{; crk;kA vk;kx dk dguk Fkk कि विष्व अब विज्ञान तथा तकनीकि mUufr dh vkj बढ़ रहा है। अब षिक्षा पर ही समृधि निर्भर है लोगो के कल्याण तथा सुरक्षा के लिए षिक्षा आवष्यक है। vk;kx u jk"ट्रीय विकास को षिक्षा का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बताया तथा इन लक्ष्य की प्राप्ती के लिए उत्पादन में वृद्धि करने पर बल दिया जिसके लिए विज्ञान षिक्षा को प्राथमिक स्तर से विष्वविधालय स्तर rd ikB;de dk vfuok; vx cuk;k rFkk bldk mi;kx mRiknu ,o jk"Vª; ,dhdj.k ij cy fn;k गया। तकनीति षिक्षा की स्थापना आधुनिकीकरण की प्रकिया को तेज करना तथा सामान्य करना था तथा सामाजिक नैतिक एवं आध्यात्मिक मुल्यों की षिक्षा देना था।

1969 ई० को एक संसदीय समीति को रा"ट्रीय षिक्षा नीति बनाने का काम सौपा गया 1969 में इस नीति dh ?kks"k.kk dh xbA

dमीषन का विचार था कि षिक्षा दृारा सामाजिक आर्थिक तथा राजनैतिक क्षेत्र में काफी बदलाव ला सकती है इस लिए षिक्षा का उद्देष्य रा"V dk fuek.k gkuk pkfg, ;fn ifjoru fcuk fglkRed dkfUr d djuk g rk षिक्षा केवल ऐसा साधन है जिससे ;g ifjoru lHko gA

कोठारी कमीषन भारत में षिक्षा की प्रगति पर विषे"kdj LorU=rk d ckn d le; dk v/;;u dju d mijkUr bl fu"d"kZ पर पहुचा कि भारतीय षिक्षा में क्रान्तिकारी परिवर्तन की आवष्यकता है जिसमें वह lfo/kku d y{; dk ikIr dj ld rFkk fofHkUu {k=k e tk leL;k, gA mudk lek/kku fudy ldA कोठारी कमीषन के तीन मुख्य उद्देष्य थे। पहला नैतिक तथा आध्यात्मिक मूख्यों का विकास करना दूसरा षिक्षा में गुणात्मक परिर्वतन लाना तथा षिक्षा सम्बन्धी सुविधाओं को बढ़ाना।

jk"ट्रीय षिक्षk uhfr 1968&

dkBkjh vायोग दृारा दिए गए परामर्षो को vk/kkj cukdj Hkkjr ljdkj u 1968 Hkkjrh; jk"ट्रीय षिक्षा uhfr dk fuek.k fd;k jk"ट्रीय षिक्षा नीति दृारा सम्पूर्ण सुधार की व्यवस्था की गई तथा षिक्षा दृारा समृद्धि dk c<ku rFkk lekt d lHkh oxk e ,drk rFkk lg;kx mRiUu करने की कोषिष की गई। इस षिक्षा

uhfr nkjk lfo/kku e uhfgr fuर्देषन के अनुसार 6से 14 o"kZ तक के बच्चों की अनिवार्य षिक्षा की व्यवस्था की गई इस षिक्षा नीति दृारा माध्यमिक षिक्षा में श्रेत्रीय भा"kk dk ek/;e cuku ij cy fn;k x;kA vxth Hkk"kk dk Hkh i<ku e i;kx dju ij cy fn;k x;k rFkk fgUnh Hkk"kk dk jk"Vh; Hkk"kk dk n tk fn;k tkuk FkkA lLdr Hkk"kk की उन्नति करने का भी परामर्ष दिया गया। इस षिक्षा नीति दृारा भारतीय सरकार को 6 प्रतिषत आय का भाग षिक्षा पर व्यय करने के निद्रेष दिये गये।

1968 dh jk"ट्रीय षिक्षा नीति को अपने भा"kkई परामर्ष के कारण आलोचना को षिकार होना पड़ा अधिकतर षिक्षा विदों का विचार था कि तीसरी भा"kा का प्रयोग विघार्थियों पर अनावष्यक रूप में Fkkik x;k gA tcfd mudh :fp blमें नही है। इस षिक्षा नीति पर स्प"ट निर्देष न देने का भी vkjki yxk;k x;kA ;g dgk x;k fd इस षिक्षा नीति में यह स्प"V ugh fd;k x;k g कि कौन से दिषा निर्देषों का पालन किया tk,xkA rFkkfi bl यह षिक्षा नीति को काफी महत्व दिया गया यह स्वतन्त्र भारत की प्रथम f'k{kk uhfr Fkh जिसने भारत में षिक्षा लागू करने के सम्बन्ध में भारत सरकार को निर्देष दिये थे। त्रिभा"kkb l= nkjk Hkkjr में अपनी भाईचारा तथा एकता को उत्पन्न करने में तथा विषे"k रूप में अल्पसंख्यकों में षिक्षा को बढ़ाने में सफल रही। आलोचना का षिकार होने के बावजुद यह षिक्षा नीति स्वतन्त्र भारत कि प्रथम व्यक्तिगत षिक्षा नीति थी। यह देष में 'k{kf.kd dkfUr yku e iFke dne d :l e lkfcr gbA

1979 dh jk"ट्रीय षिक्षा नीति–

1979 की षिक्षा नीति दृारा मसौदा तैयार किया गया जिसके दृारा देष के लोगों में न केवल षिक्षा का विकास हो वरन् उue 'ौक्षिक कुषलता भी बढ़े। अiy 1979 को f'k{kk e=h Jh irkipUn pUnj u षिक्षा 'ाास्त्रियों एवं विद्ानों के परामर्ष से ljdkj u jk"Vीय षिक्षा नीति की घो"k.kk dh bl षिक्षा नीति में सबसे प्रमुख स्थान प्राथमिक षिक्षा को दिया गया। दृितीय स्थान प्रौढ़ षिक्षा और तृत्तीय स्थान माध्यामिक षिक्षा को दिया गया। इसमें 843 के ढाचे को स्वीकार किया गया माध्यामिक षिक्षा e x.kkRed v/kkj dju rFkk jktxkj l lEcfU/kr dju ij tkr दिया गया। इस षिक्षा नीति दृारा fo/kkfFk;k e ufrd eY;k rFkk lkLdfrd fojklr d ifr pruk tkxr dju d fy, ,d ;ktuk r;kj dju ij tkj fn;k ftll mud 0;fDrRo dk lgh o lEi.k fodkl gk rFkk og vPN ukxfjd cuku के इस षिक्षा नीति दृारा भी पयास किया गया तथा संविधान के दिषा निद्रेषों का पालन किया गया। 1979 dh jk"टीय षिक्षा नीति में यह सुझाव दिये गये कि षिक्षा नीति ऐसी निर्धारित होनी चाहिए जो देष की समकालीन आवष्यकताओं के अनुसार हो। यह कहा गया कि षिक्षा नीति में कetkj ox d fy, mPच षिक्षा के अवसर मिलने चाहिए षिक्षा मं yphykiu gkuk pkfg, rFkk lc rjg dh ifjfLFk;k d fy, ljdkj dk उत्तरदायित्व होना चाहिए। तथा षिक्षित तथा अषिक्षित लोगो e vUrj de gkuk चाहिए जिसमें षिक्षित ykxk e lokPprk dh Hkkouk vf/kd u iui bl uhfr nkjk ग्रामीण क्षेत्रों में भी षिक्षा को बढ़ावा देने में volj fn, x,A bl uhfr nkjk षिक्षण संस्थाओं और समुदायों को साथ मिलकर कार्य करने को कहा गया f=Hkk"kkb l= viuk;k x;kA

jkट्रीय षिक्षा नीति 1986–

षिक्षा एक अनवरत प्रकि्रया है 1986 में भारत सरकार ने एक नई षिक्षा नीति बनाकर षिक्षा को नई दिषा प्रदान की भारत ने आर्थिक और तकनीकि विकास में प्रवेष किया इसी दृf"Vdk.k e भारत सरकार ने जनवरी 1981 में नयी षिक्षा नीति के निर्धारण का संकल्प लिया अगस्त 1985 में षिक्षा की pukrh uked nLrkot iLrr gvk bl ij eb 1986 e jk"ट्रीय षिक्षा नीति dk nस्तावेज प्रकाषित किया गया। इस नीति का आधार भारत सरकार दृारा 1968 में अपनाई गई षिक्षा नीति है इसमे मानववादी आदर्षो dk iu LFkkiuk dju dk निष्चय दोहराया गया यह कहा गया कि षिक्षा सभी के लिये है यह हमारी भौतिक तथा आध्यात्मिक विकास की बुनियादी आवष्यकता है यह हमे संवेदनषील बनाती है जिससे रा"Vh; ,drk पनपती है वैज्ञानिक तौर तरीको का विकास होता हे तथा िचिन्तन में स्वतन्त्रता आती है। यह देष के नागरिको को विष्व के प्रतियोगी बाजार में आत्म विष्वास के साथ खड़ा होने योग्य बनाती है सारांष रूप में षिक्षा वर्तमान और भवि"य दोनो के निर्माण के लिए एक आदृित्तीय पूंजी निवेष है। यही रा"ट्रीय षिक्षा नीति dk vkjHkr flnkUr gA

jk"ट्रीय षिक्षा नीति d vUrxr tkfr /ke {k= rFkk fyx vkfn vUrjk l fuji{k lHkh ukxfjdk dk ,d स्तर तक सामान्य षिक्षा सुलभ करायी जाए जैसे कि 1968 की षिक्षा नीति में निद्रेष fn;k x;kA jk"Vh; षिक्षा व्यवस्था में 1023 के ढाचे को पूरे देष मे स्वीकार कर लिया गया है यह रk"Vh; i)fr ,d jk"Vh; ikB;de ij vk/kkfjr dh xbA
efgykvk vulfpr tkfr;k ,o vYil[;dk fodykxk rFkk fiNM g, {k=k ,o oxk e leku :lk l 'kf{kd ilkj dh lfo/kk, nu d fy, दृढ़ संकल्प किया गया। व्यवसायिक षिक्षा को बढ़ावा दिया गया। bu mn"ष्यों dh ifr gr xjhc ykxk d लिए क्षात्रवृति की स्थापना तथा समाज के पिछड़े वर्ग मे षिक्षको की भर्ती करने पर बल दिया गया है इस षिक्ष नीति दृारा open univeritiy [kkyu ij cy fn;k x;k g fnYyh e Indir€ Gndhi open univeritiydh LFkkiuk dh xb है इस षिक्षा नीति दृारा गाँधी जी के आदर्षो पर ग्रामीण क्षेत्रो मे षिक्षा की व्यवस्था का प्रा0धान है। इस षिक्षा नीति दृारा तकनीकि सुचना की षिक्षा का भी पावधान है। तकनीकि षिक्षा के fy, ikboV dky tk dh Hkh LFkkiuk dh tk ldrh gA

jkट्रीय षिक्षा नीति 1992

jk"ट्रीय षिक्षा नीति का अवलोकन करने तथा षिक्षा के सम्बन्ध मे सुझाव देने के लिए Hkkjr ljdkj u 1990 e vkpk; jkeefr vk;kx cuk;k ckn e N jnrdhn Reddy dh v/;{krk e केन्द्रीय परामर्ष बोर्ड की स्थkiuk dh xbA bl ckM nkjk jk"ट्रीय षिक्षा नीति में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए। इस समीति ने अपनी रिपोर्ट 1992 में सरकार को सौपी। 1992 के षिक्षा कमीषन ने देष मे रा"Vh; एकता बढ़ाने का परामर्ष सरकार को दिया था।

1992 के कमीषन ने भारत में षिक्षा को और अधिक उन्नत बनाने तथा गुणवत्ता लाने का परामर्ष भी सरकार को दिया था। इस कमीषन ने बच्चों में नैतिक मुल्यों को बढ़ाने तथा षिक्षा को और अधिक जीवन के लिए उपयोगी बनाने पर परामर्ष भी भारत सरकार को सौपा थां

2009 का षि{kk d vf/kdkj dk dkuu 2009 का षिक्षा के अधिकारों का कानून 6 व"k l 14 o"k d cPpk के लिए अनिवार्य तथा फीस रहित षिक्षा की स्थापना के लिए लाया गया था। यह कानून 1 अप्रैल 2010 में आया जबकि भारत उन 135 देषो की सूची में आ गया था जो बच्चो के लिए षिक्षा को मौलिक अधिकkj ekur gA bl dkuu nkjk iR;d fo?kky; e 25 प्रतिषत सीट उन बच्चों के लिए रखेगे जो समाज मे fiNM g, ox e lEcfU/kr gA bl dkuu dk ykx dju dk mRrjnkf;Ro dUnh; ikUrh; RkFkk LFkkuh; सरकारों के बीच बाटा गया क्योकि संविधान में षिक्षा को केन्द्र तFkk ikUr nkuk dh ftEenkjh crk;k x;k gA dUद्र सरकार को 70 प्रतिषr 0;; dk oहन करना था जबकि राज्य सरकार को 30 प्रतिषत व्यय करने dk dgk x;k Fkk

;?kfi bl dkuu dk ykx dju e dkQh 0;o/kku Fk D;kfd ;g ;ktuk doy 1 l 8 rd d cPpk dh Fkh rFkk ble yMfd;k rFkk fodykxk के सम्बन्ध मे दिषा निद्रेष स्पट नही किये गये थे। प्राथमिक षिक्षा के बाद की षि{kk d lEcU/k e bl dkuu e Li"ट दिषा निद्रेष नही थे। बड़ी संख्या में बच्चे प्राथमिक षिक्षा के बाद पढkbZ NkM nr Fk ftldk muij cjk eukoKkfud iHkko iMrk Fkk vr% bl dkuu dk पूरा लाभ षिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चो को नही मिल पाया।

निष्कर्षः

jkट्रीय षिक्षा नीतियों दृारा देष की षिक्षा के लिए एक सुनियोजित खाका बनाया गया। ikB;de fu/kkfjr किए गए तथा षिक्षा को रा"Vh;dj.k dju dk i;kl fd;k x;kA देष की सामाजिक तथा आर्थिक आवष्यकताओ को ध्यान में रखते हुए समय समय पर षिक्षा नीतियों में परिवर्तन किया गया। oM के षि{kk fMLip d ckn l Hkkjr e vxth षिक्षा नीति प्रारम्भ की गई थी जिसे स्वतन्त्र भारत की सरकार ने षिक्षा का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेकर षिक्षा के क्षेत्र में देष को आगे बढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया। जिससे

षिक्षा के दृारा न केवल उच्च सामाजिक स्तर के लोगों के लिए वरन् सभी सामाजिक oxk d fy, nkj [ky गए जो षि{kk ikIr djuk pkgr Fk xkV bu ,M inku djuk षिक्षा विभागों की स्थापना करना विष्वविधालयों की स्थापना करना आदि ऐसे कार्य थे जिससे षिक्षा को प्रोत्साहन मिला तथा भारत में षि{kk dh jk"Vh; 0;kLFkk dk LFkkfir fd;k tk ldkA

प्रारम्भ के सात दषको मे स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने समय समय पर षिक्षा आयोगो की स्थापना की जिनके परामर्षो ने भारत की षि{kk uhfr dk iHkkfor fd;k परन्तु षिक्षा कमीषनो के सुझावो dk iHkkoi.k <x l ykx dju e dHkh dHkh ljdkj असफल रही और प्रषासनिक क्षमता का भी अभाव रहा। षिक्षा ij jktufrd rFkk प्रषासनिक दबाव बनने कि कारण षिक्षा में काफी रूकावटें पैदा हुई।

षिक्षा की नीतियों को निर्धारित करने वाले विदृानों तथा षिक्षाविदों के लिए षिक्षा संस्थानों का अनुपात सदैव समस्या बना रहा इसके अतिरिक्त षिक्षा की नीतिया भारतीय नागरिकों मे lkekftd rFkk vkfFkd lekurk yku e vlQy jgh ;?kfi fofHkUu jkT;k u viu ;gk षि{kk uhfr;k dk ykx dju dk i;Ru fd;k परन्तु किसी भी नीति दृारा षिक्षा दृारा असामानता को समाप्त नही किया जा सका।

ckfydkvk rFkk fiNMk ox vc Hkh lekurk iku e lQy ugh gA blh idkj vkfFkd vlekurk vkt Hkh lekt e 0;kIr gA jk"ट्रीय षिक्षा नीति के निर्धारण में देष के सभी समुदायों और पिछड़े लोगो का मत जानना चाहिए अतः षि़क्षा का निर्धारण समाज के योग्य नागरिकों और षिक्षाा 'kkL=h;k d er d vk/kkj ij fd;k tkuk pkfg,A

ग्रन्थसूची

- चौबे एम० पी० – भारत में षिक्षा का विकास इलाहाबाद सेन्ट्रल बुक डिपो
- कबीर हुमायूं– स्वतन्त्र भारत में षिक्षा दिल्ली राज्यपाल एण्ड lUl
- रिपोर्ट आफ द मुदालियर कमीषन 1979
- jk"ट्रीय षिक्षा नीति 1986
- Dayal B. The development of modern Indian education 1953
- Report of the Radha krishnan commission on university education 1949
- Nurullah and Naik Astudent –History of education Delhi Mac M,illion 1956
- Basu Aparna- Growth of education and political Decelopment in India 1895-1920 oxford university press Delhi
- GHOSH S.C 1987 History of education in India Rawat Publication
- Repost of the education cemmision 1964-66 vol 1 ministry of education
- Mukerjee S,N 1976 education in India Today and Tomorrow Acharya Book Depot